ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXV   सं. III   मुंबई   जुलाई-सितंबर 2018

I. अनुसंधान क्षेत्र से:

ए) संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसंधान पोत डॉ फ्रिडजॉफ नेंनसन पर भागीदारी

भारत, बंगलादेश, म्यानमार, थाइलैंड और श्रीलंका के राष्ट्रीय जल में 24 जून-15 अक्तूबर 2018 के दौरान अनुसंधान पोत डॉ फ्रिडजॉफ के साथ जलवायु और प्रदूषण पर विचार करते हुए मात्स्यिकी प्रबंधन में पारिस्थितिक दृष्टिकोण के अनुप्रयोग का समर्थन "शीर्षक पर मात्स्यिकी में पारिस्थितिक तंत्र दृष्टिकोण (ई ए एफ)- नेनसन कार्यक्रम की योजना बनाई गई थी । विश्व के अनेक भागों से अर्थात नार्वे, दक्षिण अफ्रिका, संयुक्त राज्य, श्रीलंका, भारत और थाइलैंड से वैज्ञानिक टीम ने अनुसंधान पोत आर वी डॉ फ्रिडजॉफ नेनसन में (लैग 3.2 कोलबों, श्रीलंका से चिट्टगोंग, बांगलादेश तक) भाग लिया।

सर्वेक्षण का उद्देश्य सामान्य रुप से पारिस्थितिक तंत्र की स्थिति और हाइड्रोग्राफिक स्थिति (भौतिक एवं रासायनिक) प्लवक, अंडे और लार्वा, जेलिफिश, तलमज्जी, पेलाजिक और मेसोपेलाजिक संसाधन और तल अवसाद का संग्रहण, विश्लेषण और अध्ययन द्वारा विशिष्ट पारिस्थितिक तंत्र घटक को समझना है । सर्वेक्षण के दैरान प्रदूषण (माइक्रो प्लासटिक और खाद्य सुरक्षा) अध्ययन भी किया गया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने मत्स्यपालन के लिए भारत सरकार के नोडल अभिकरण होने के नाते, इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय अभियान में देश को प्रतिनिधित्व किया । डॉ. एस रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक और स्वप्निल एस शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक सहित वैज्ञानिक टीम ने 18.7.2018 को कोलंबो, श्रीलंका पहुँचे और पोत में रवाना हुए । समुद्र में 18 दिन बिताने के बाद अनुसंधान पोत चिट्टगोग बंदरगाह, बांगलादेश में 01.08.2018 को पहुँचा और समुद्री यात्रा समाप्त किया ।

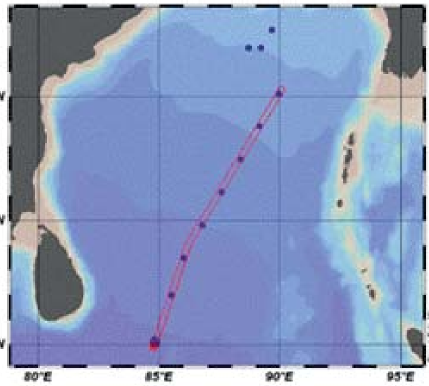

मात्स्यिकी सहित विभिन्न भौतिक, रासायनिक, जैविक मापदंड पर एकत्रित डेटा करने हेतु कई परिष्कृत और उन्नत उपकरणों के उपयोग किए गए । मौसम संबंधी मानकों के लिए डी एन एम आई मौसम संबंधी मौसम स्टेशन, समुद्र की सतह की लवणता और सांपेक्ष तापमान के लिए थर्मोसलिनोग्राफ, विशेष गति और दिशा मापन के लिए ए डी सी पी, चालकता, तापमान, लवणता और गहराई के लिए सी टी डी, प्राणिप्लवक के लिए 405 माइक्रोन जाल के साथ (डब्ल्यू पी 2 जाल) हाइड्रो-बयो मल्टीनेट और समुद्र में माइक्रोप्लास्टिक के नमूने के लिए मांटा ट्रॉल । गहन समुद्री बिखरनेवाली परतों का पता लगाने के लिए इ के 80 इको साऊन्डर्स का प्रयोग किए गए । मेसोपेलाजिक मात्स्यिकी और अन्य संसाधनों के लिए मल्टीपेल्ट मेसोपेलाजिक ट्रॉल

और क्रिल ट्रॉल प्रयुक्त किए गए ।

सर्वेक्षण कार्यक्रम के दौरान एकत्रित आँकडा समुद्री सतह तापमान (एस एस टी), और वर्टिकल तापमान प्रोफाईल, सतह की लवणता और वेर्टिकल लवणता प्रोफाइल, क्लोरोफिल, घुलित ऑक्सिजन, मेसोपेलाजिक जीवों पर इन भौतिक रासायनिक पैरामीटर के प्रभाव को समझने के लिए पी एच है । प्राणिप्लवक पर ऑकडा, मेक्रो प्राणिप्लवक और माइक्रेनिक्टन मेसोपेलाजिक फिन फिश जैसे मेसोपेलाजिक संसाधन, पेलाजिक श्रिम्प, केकडा और विभिन्न वर्ग के सेफैलोपोड भी एकत्रित किए गए।

बी) अंडमान एवं निकोबार जल से चार परजीवी कोपेपोड (क्रस्टेशिया, सिफोनोस्टोमेटोइडा) का नया रिकार्ड

अप्रैल, 2017 के दौरान अंडमान एवं निकोबार जल में संचालित पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन, द्वारा लाँग लाइन सर्वेक्षण करते समय नमूने एकत्रित किए गए। बडी पेलाजिक मछलियों से चार परजीवी कोपेपोड के नया रिकार्ड पोर्ट ब्लेयर बेस के वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट किया । दर्ज किए गए नए परजीवी 1) पेलाजिक थ्रेषर *अलोपियस पेलाजिकस* नाकामुरा, 1935 के गिल से नेमेसिस *एग्रिगेटस क्रेस्सी* 1967;2) ब्लैक मार्लिन *इ स्थ्यिोमपेक्स इंडिका* (कुवियर, 1832): के शरीर की सतह से *ग्लोयओपोटस हुट्टोनी* (थॉमसन जी एम., 1890) 3) बडा बाराकुडा स्पाइरेना बराकुडा (एडवर्ड, 1771) के शरीर की सतह से *केलिगुस लोबोडस* (विल्सन सी बी., 1911), 4) येल्लोफिन टूना *थुन्नस अलबकेरस* (बोन्नटेरे 1788) के गिल से *स्यूडोसाइनस एप्पेन्डिकुलेटस* हेल्लर, 1865) थी । परजीवी संक्रमण की व्यापकता और तीव्रता और/होस्ट पर उसके प्रभाव का भी अध्ययन किया गया । *एन एग्रीगेटस* के लिए *अलोपियस पेलाजिकस* एक नया होस्ट रिकार्ड बनाया है । यह काम मात्स्यिकी और पर्यावरण पत्रिका में खंड 42 (2) 2018 प्रकाशित किया गया है ।

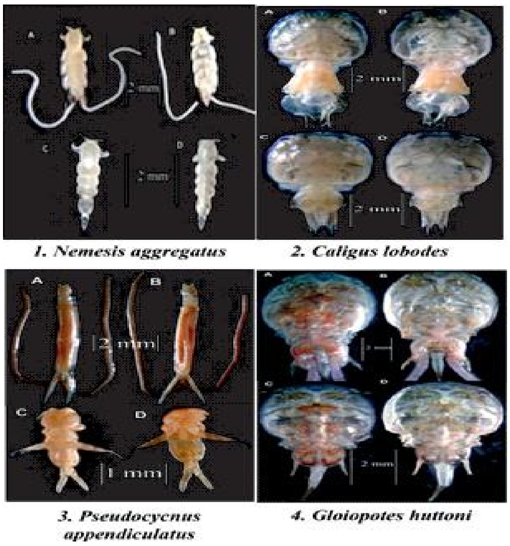

(श्री नशद एम., वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, डॉ. सिजो पी. वर्गीस, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री स्वप्निल एस शिर्के, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, श्री प्रत्युष दास, कनिष्ठ मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा प्रस्तुत)

सी) विशाखपट्टणम तटीय जल, भारत के दक्षिण पूर्वी तट से. हंटर श्रिम्प *एक्सहिप्पेलिसमेटा एनसिरोस्ट्रिस* (केंप, 1914) की प्राप्ति

अगस्त, 2018 माह के दौरान, पोत एम एफ *वी मत्स्य दर्शिनी* ने 45.6 मी एक्स्पो मॉडल बोट्टम ट्रॉल प्रचालित करके भारत के ऊपरी पूर्वी तट के तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण संचालित किया था । अक्षांश 17° 36.3 उ/देशांतर 83° 29.2' पू के क्षेत्र में 61-62 मी गहराई से एकल हॉल में कुल पकड 38 कि. ग्रा दर्ज की गई । पकड में क्रोकर्स (47.4%), *सेडिड्ल ग्रंट* (13.2%), कैट फिश (13.2%) पोनिफिश (7.9%), नोन पीनाइड श्रिम्प (5.3%) आदि शामिल थी । नोन पीनाइड श्रिम्प को *एक्सहिप्पोलिसमेटा एनसिरो स्त्रिस* के रुप में पहचान किया गया जिसे आमतौर पर हंटर श्रिम्प के रुप में जाना जाता है । हंटर श्रिम्प आंध्र प्रदेश तट में पाई जाने वाली विरल प्रजाति है ।

आकार वितरण

पोत पर हंटर श्रिम्प के जैविक और आकारकीय अध्ययन के विस्तृत विश्लेषण किया गया । नमूनों की *पृष्ठवर्म* लंबाई 2.0 से.मी से 4.0 से.मी तक थी । नमूनों में 3.1-3.5 से. मी. आकार के पृष्ठवर्म लंबाई वाले ग्रुप सबसे प्रमुख पाया गया । नमूनों में से प्रारंभिक परिपक्व अवस्था नहीं पाया गया था, जबकि समयोपरांत परिपक्वता ज्यादा देखा जाता है ।

अभ्युक्तियां

हंटर श्रिम्प *एक्सिपोलिसमेटा एनसिरो स्त्रिस* का वर्णन कैंप (1914) द्वारा मुंबई, चेन्नई और पुदुच्चेरी से एकत्रित नमूने के आधार पर हिप्पोलिसमेटा एनसिरोस्ट्रिस के रुप में किया गया था । यह नवाबंदर, मुंबई, केनन्नूर, कोच्चि, काकीनाडा, गोदावरी मुहाना, ओडिशा तट और गंगा नदीमुख से भी रिपोर्ट किया गया था ।

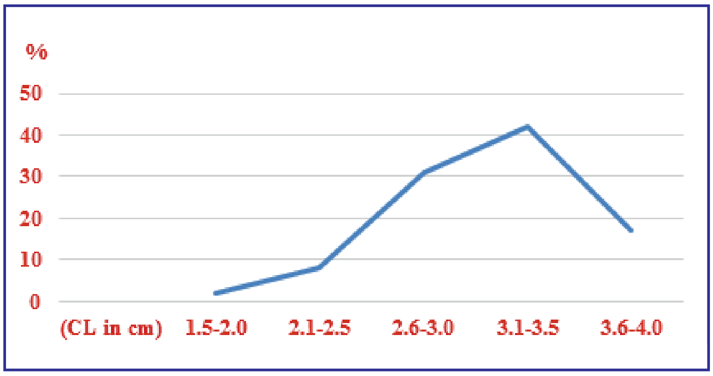

(श्री के. सिलंबरसन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

डी) विशाखपट्टणम तट से लंबी असंगठित मोरे ईल *स्ट्रोफिडोन सातेट* (हेमिल्टन, 1822) की विरल प्राप्ति

अगस्त' 2018 के दौरान पोत एम एफ वी *मत्स्य दर्शिनी* द्वारा अक्षांश 16° उ- अक्षांश 21° उ के बीच के क्षेत्र में समन्वेषी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण करते समय, *स्ट्रोफिडोन* साथेट के एकल नमूना जो कि स्लेंडर विशाल मोरे के रुप में आमतौर पर जाना जाता है को विशाखपट्टणम तटीय जल में अक्षांश 17° 05.9 उ/देशांतर 83° 34.8 पू में 44-45 मी गहराई से दर्ज किया गया । मुरानिडे कुटुंब आमतौर पर मोरे ईल के रुप में जाना जाता है, सब से विविध समूहों में शामिल है । ये दुनिया भर के सभी उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय समुद्रों में पाए जाते है । यह मैला सागर तलों, मुहाना क्षेत्रों और महाव्दीपीय शेल्फ के किनारे पर रहता है । यह विशाखपट्टणम तटीय जल में विरल पाई जाने वाली प्रजातियों में से एक है ।

(श्री के. सिलंबरसन, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

ई) आइसोपोड परजीवी नेरोसिला *डिप्रेसा* मिल्न एडवर्ड 1840 (क्रस्टेशिया, आइसोपोडा, साइमोथोइडे) के लिए न्यू होस्ट रिकार्ड, *स्पाइरेना ओबटुसेटा* कुवियर, 1829 पाया गया।

अक्षांश 160उ - 190उ के क्षेत्र में पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* के समन्वेषी सर्वेक्षण के दौरान बाराकुडा प्रजाति अर्थात् *स्पाइरेना ओबटुसेटा* अक्षांश 170उ - 420उ और देशांतर 83 0 - 320पू के क्षेत्र में 54 मी गहराई से पकडी गई। जिसे इसोपोड परजीवी द्वारा *नेरोसिला डिप्रेसा* के रूप में पहचाना गया था । परजीवी मछली के पेक्टरल फिन के नीचे जुडा हुआ था । आंध्र प्रदेश तट से *स्पाइरेना ओबटुसेटा,आइसोपोड* परजीवी *एन डिप्रेस्सा* का नया होस्ट रिकार्ड है । पहले का रिकार्ड बताता है कि उसी प्रजाति भारत के दक्षिणी पश्चिमी तट में एम्वलिकेफलोन इन्डिकस पिल्लई,1954 और भारत के दक्षिणी पूर्वी तट में *साइमोथोआ इंडिका* शियोडटे एट मैनरट,1884 प्रजाति द्वारा संक्रमित किया गया था। प्रजाति *नेरोसिला डिप्रेस्सा* भी रिपोर्ट किया है कि क्लूपिडे परिवार के *सारडिनेल्ला गिब्बोसा* मछली प्रजातियों को संक्रमित किया है जो नेरोसिला डिप्रेस्सा साइमोथोईडे परिवार का है।

43 जेनेरा और 358 प्रजातियों सहित साइमोथोइडे परिवार आमतौर पर भारतीय जल में पाई जाने वाली आइसोपोड है ।

वर्गीकरण विवरण

वर्गः	क्रस्टेशिया
प्रकारः	आइसोपोडा
परिवारः	साइमोथोइडे
जातीः	नेरोसिला
प्रजातिः	डिप्रेस्सा

प्रजाति विवरण

पीला भूरा/सफेद रंग। कुल लंबाईः 16 मि मि, कुल चौडाईः05 मि मि, कुल वजनः 3.5 ग्राम, लिंगः मादा (बेरिड)

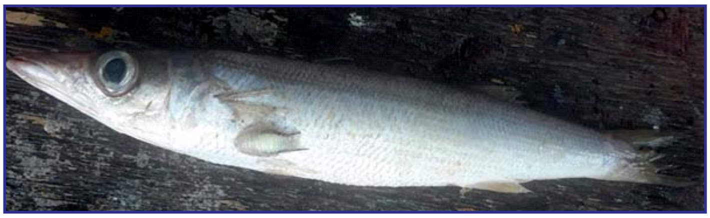

(डॉ अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा.मा.स का विशाखपट्ट्णम बेस द्वारा सूचित)

(डॉ अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा.मा.स का विशाखपट्ट्णम बेस द्वारा सूचित)

एफ) गोपालपूर तट, ओडिशा से पोर्सल्लेनिड केकडा, पोर्सिनेल्ला पिक्टा स्टिपसन, 1858 का प्रथम रिकार्ड

पोत एम एफ वी *मत्स्य शिकारी* द्वारा अक्षांश 190 17.70उ' और देशांतर 850 07.10 पू के क्षेत्र में 52 मी. गहराई क्षेत्र (गोपालपूर तट, ओडिशा) में अप्रैल 2018 की समुद्री यात्रा के दौरान समन्वेषी सर्वेक्षण करते समय पोर्सल्लनिड केकडा, *पोर्सिनेल्ला पिक्टा* स्टिंपसन पोर्सिलेनिडे परिवार का, क्रम-डीकापोड का एक डीकापोड क्रस्टेशियन है। यह एक बहुत छोटा और आकर्षक केकडा है । परिवार पोर्सल्लेनिडे वर्तमान में 30 पीढ़ी को प्रतिनिधित्व करता है, हालांकि पोर्सनेल्ला केकडों के जीवाश्म रिकार्ड में पेचिचेलेस, पिसिडिया, पोलियोनिक्स, पोर्सेलेना की प्रजातियों शामिल है; और एक और छह पीढी केवल जीवाश्म से ज्ञात हैं । यह आस्ट्रेलिया में केप केप्रिकोन/ (सफेद); मेगृई द्वीप, सेलिबेस समुद्र, फोकलैंड द्वीप, रामेश्वरम, जांजीबार, हाँगकांग समुद्र, इनलैंड समुद्र, बिंगो-नाडा, इसे खाडी, तनाबे खाडी, टोसा, टोमियोका, अमाकुसा में पाया जाता है । भारत में यही प्रजाति पहले भारत के कोरोमंडल तट में पोयिंट केलिमेरे से रिपोर्ट की है । (सिवसुब्रम्हणियन और अन्य, 2014)

हालांकि वर्तमान अध्ययन से पता चलता है कि यह ओडिशा के गोपालपूर तट से इस प्रजाति का पहला रिकार्ड है।

वर्गीकरण विवरण

वर्गः क्रस्टेशिया

क्रमः डीकापोडा

परिवारः पोर्सेल्लेनिडे

जीनसः पोर्सेल्लानिल्ला

प्रजातिः पिक्टा

प्रजाति वर्णन

प्रजातियों के एक विस्तृत आकारकीय अध्ययन किया गया था जिसमें पता चला था कि प्रजाति सफेद रंग की थी। काले रंग के वृत्ताकार बडे पीले भूरे रंग के धब्बे पृष्ठवर्म के और चेलिपेड के अग्र भाग में देखा जाता है । ये मैला उप-तटीय क्षेत्रों में रहते है। उन्हें समुद्र की पेन टेरोयड्स का सहजीवी के रूप में जाना जाता है।

पृष्ठवर्म लंबाईः 1 2 मि मी

पृष्ठवर्म चौडाईः 8 मि मी

चेलिपेड लंबाईः 6 मि मी

मेरूस लंबाईः 4 मि मी

वजनः 2 ग्राम

(डॉ अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा.मा.स का विशाखपट्णम बेस द्वारा सूचित)

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षणः

भा मा स बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला विशाखपट्णम बेस

भा मा स के विशाखपट्णम बेस द्वारा मात्स्यिकी विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से 8 सितंबर 2018 को मात्स्यिकी के सहायक निदेशक के कार्यालय अवनिगढ़ा, कृष्ण जिला, आंध्र प्रदेश में "आंध्र प्रदेश के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों और विविधीकृत मत्स्यन प्रणलियों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्री एम ए याकूब बाषा, संयुक्त मात्स्यिकी निदेशक, आंध्र प्रदेश सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे । समारोह की अध्यक्षता श्री के नाग रमेश, अध्यक्ष, मछुआरा सहकारी समिति, मछलीपटणम द्वारा किया गया । श्री एन अर्जुन राव, अध्यक्ष राज्य मछुआरा संघ, मछलीपट्णम सम्मानीय अतिथि थे । श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने प्रमुख भाषण दिया । उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र हुआ जहाँ बेस के वैज्ञानिकों ने भारत के पूर्वी तट के महासागरीय टूना संसाधन और टूना को

संभालना और सुरक्षित करना, "आंध्र प्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन", "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता", "समुद्र में लिए जाने वाले सुरक्षा उपायों" पर वैज्ञानिक कागज़ात प्रस्तुत किए । कार्यशाला के दौरान उसी स्थान पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जहाँ मात्स्यिकी संसाधनों के चार्ट, मछलियों के फोटोग्राफ एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियर के प्रदर्शन किए गए ।

चेन्नई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस द्वारा स्थानीय मछुआरों के हित के लिए "तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 20 सितंबर 2018 को मात्स्यिकी विभाग और मछुआरा कल्याण के सम्मेलन कक्ष फिशिंग हारबर कोम्प्लेक्स, थेंगाइथिट्टु, पुदुच्चेरी में आयोजित की गई । कार्यशाला का आयोजन मात्स्यिकी विभाग एवं मछुआरा कल्याण, पुदुच्चेरी यू टी सरकार के सहयोग के साथ किया गया । डॉ जे. सी दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस ने प्रतिभागियों का स्वागत किया । श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस द्वारा मुख्य भाषण दिया गया, जिसमें उन्होंने कार्यशाला का उद्देश्य, अधिदेश, भा मा स के कार्यक्रम और संगठनात्मक ढ़ाँचा

के बारे में बताया । इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारतीय जल में महासागरीय टूना संसाधनों की संभाव्यता पर बताया और भारत में टूना मात्स्यिकी के आगामी विकास की संभावनाओं पर जोर दिया । श्री आर मौनिसामी, मात्स्यिकी निदेशक, मात्स्यिकी विभाग और मछुआरा कल्याण, पुदुच्चेरी के यू टी सरकार, समारोह के लिए मुख्य अतिथि थे । अध्यक्षीय संबोधन करते हुए उन्होंने मात्स्यिकी क्षेत्र में आजतक आत्मनिर्भरता नहीं हासिल करने के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की और मछुआरों से अनुरोध किया कि वे समुद्री संभाव्य का पूरा उपयोग करने के लिए दूर के जल संसाधनों का दोहन करें । श्री दैवसिगमनी, मात्स्यिकी के संयुक्त निदेशक ने सत्कार भाषण में टूना मत्स्यन में अद्यतन विकास समझने में स्थानीय मछुआरों को अवसर प्रदान करने के लिए भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई बेस के प्रयास की सराहना की और उन्होंने हाल के वर्षों में घटती मछली पकड पर चिंता व्यक्त की और भा मा स से इस घटना के कारण हर मछुआरों को समझाने के लिए अनुरोध किया । बेस के वैज्ञानिकों नें "वर्तमान दोहन और इसके टैगिंग अध्ययन पर विशेष जोर के साथ बंगाल की खाड़ी में टूना मात्स्यिकी संसाधनों के वितरण एवं प्रचुरता", "पोत पर टूना को संभालना और सषमि ग्रेड के लिए संरक्षण"पर्यावरण अनुकूल और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों" और "लक्षित और चयनित मछली स्टॉक के दोहन के लिए पैसिव गियर की परिनियोजन" पर जोर आदि विषय पर व्याख्यान दिए । कुल मिलाकर पुदुचेरी और इसके आसपास के क्षेत्र से लगभग 100 मछुआरों ने कार्यशाला में भाग लिया और इस से लाभ उठाया ।

प्रदर्शनियाँ

विशाखापट्टनम बेस ने "राष्ट्रीय मछली किसान दिवस" की स्मृति में राष्ट्रीय कृषि विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा 9-10 जुलाई के दौरान वाई. एम. सी. ए कॉम्पलैक्स, बीच रोड, विशाखापट्टनम में आयोजित मछली उत्सव 2018 में प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर भाग लिया ।

खुला मंच (ओपन हाउस)

चेन्नई बेस

चेन्नई बेस द्वारा स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ 20 सितंबर 2018 को मात्स्यिकी विभाग एवं मछुआरा कल्याण के सम्मेलन कक्ष, फिशिंग हारबर कॉम्पलैक्स, तेंगाइथिट्टू, पुदुचेरी में एक खुला मंच का आयोजन किया गया । ओपनहाउस के दौरान चार्ट, मछलियों के फोटोग्राफ, गियर के मॉडल, गियर उपकरण और जीवन बचत उपकरणों के प्रदर्शन किए गए ।

गहन समुद्री मत्स्यन क्षमता निर्माण पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और "परंपरागत मछुआरों को टूना लॉगलाइनिंग" में प्रशिक्षण:-

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण और सिफनेट द्वारा संयुक्त रूप से "परंपरागत मछुआरों को टूना लॉग लाइनिंग में प्रशिक्षण" और क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।चेन्नई बेस के वैज्ञानिकों ने 12.07.2018 को क्षेत्रीय भाषा में सैद्धांतिक कक्षा चलाई । बेस के वैज्ञानिकों ने " महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन और मोनोफिलमेंट लॉग लाइनिंग डेक गियर उपकरणों और सामान, "टूना प्रजातियों, उसके वितरण और व्यवहार और "टूना मछलियों को संभालना और संरक्षण करना" पर व्याख्यान दिए ।

पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि पर 24 से 28 जुलाई तक पाँच दिन के लिए व्यक्तिगत प्रशिक्षण दिया गया । पाँच दिवसीय अवधि के दौरान मछुआरा प्रशिक्षणार्थियों की विविध पहलुओं पर अर्थात् बेटिंग, शूटिंग और हॉलिंग जैसे मत्स्य परिचालन प्रक्रियाओं, पोत पर टूना को संभालना और आगे भंडारण " नौचालन उपकरण, डेक उपकरणों आदि के परिचालन", समुद्री सुरक्षा उपकरण और अनुपालन किए जाने वाले प्रक्रियाओं, "अग्निशमन यंत्र और इसके उपयोग", इंजन रूम उपकरण और सुरक्षा के अलार्म, "टूना और संबंधित संसाधनों के जैविक विशेषता" पर प्रशिक्षित किया गया ।

III. बैठकें

- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुन: वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक भा.मा.स. के चेन्नई बेस में 17.07.2018 को संपन्न हुई ।
- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र मेंसंभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनः वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक 30 और 31 जुलाई 2018 को बी.ओ.बी.पी. चेन्नई में संपन्न हुई।
- भा मा स के चेन्नई बेस में 7-10 अगस्त 2018 और 25-28 अगस्त 2018 की अवधि के दौरान पुनवैधीकरण समिति रिपोर्ट का मसौदा को अंतिम रुप देने हेतु बैठक आयोजित की गई ।

- मुरगाँव बेस से सेवानिवृत्त कार्मिकों के लिए पेंशनरों की बैठक 28.09.2018 को मुरगाँव बेस में संपन्न हुई ।

IV. आंगतुकों का दौरा

- रामदयालू सिंह कालेज, मुजफरपुर से 20 बी.एस.सी. (औद्योगिक मात्स्यिकी) के छात्रों ने 13.07.2018 को विशाखापट्टनम बेस और बेस से जुड़े पोतो का दौरा किया। उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। विभिन्न नौचालन उपकरणों के साथ-साथ मछली पकड़ने के जाल और जहाज पर उपलब्ध सामान के बारे में भी उन्हे बताया गया।
- आर. रूइया कॉलेज मुंबई से डॉ. संजय भगवत, प्रोफ. प्राणिविज्ञान विभाग और श्री कोणार्क ए. बोरकर, पी.एच.डी. छात्र ने 17.07.2018 को भा.मा.स. मुख्यालय का दौरा किया और महाराष्ट्र तट के समुद्री संसाधनों के ऐतिहासिक ऑकड़ा संग्रहित किया।
- अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई से दो संकाय सदस्यों के साथ 20 छात्रों ने उनके हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जी.एस.डी.पी.) के हिस्से के रूप में 06.08.2018 को भा.मा.स. का चेन्नई बेस का दौरा किया। उन्हें भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के अधिदेश और गतिविधियों पर जानकारी दी गई । इसके अलावा, महत्वपूर्ण वाणिज्यिक समुद्री मछलियों की पहचान पर व्यावहारिक सत्र की भी व्यवस्था की गई । मत्स्य जहाजों और इसके परिचालन के बारे में जानकारी के लिए संग्रहालय और विभाग के सर्वेक्षण जहाज मत्स्य दृष्टि और एम.एफ.वी. समुद्रिका में भी यात्रा की गई।
- कमांडेट (जे.एच.) सुभाष, भारतीय तट रक्षक, गोवा ने 07.08.2018 को मत्स्यन प्रणालियों, उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता (सी.सी.आर.एफ.) और एफ.ए.ओ. द्वारा प्रकाशित एम.सी.एफ. नियम और विनियम पर सूचना एकत्रित करने हेतु भा.मा.सा. का मुरगांव बेस का दौरा किया।
- मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, तांबरम, चेन्नई से 3 संकाय सदस्यों के साथ 30 छात्रों ने 10.08.2018 को चेन्नई बेस का दौरा किया। उन्हें भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के अधिदेश और गतिविधियों, आँकड़ा संग्रहण प्रणालियों, प्रमुख क्राफ्ट और गियर और टूना लॉग लाइन परिचालन प्रक्रियाओं पर संक्षिप्त जानकारी दी गई। मत्स्यन पोत और इसके परिचालन के बारे में जानकारी के लिए संग्रहालय और विभागीय सर्वेक्षण पोत एम.एफ.वी मत्स्य दृष्टि और एम.एफ.वी समुद्रिका में भी यात्रा की गई।
- सुश्री वर्धिनी पी. देशमुख, सुश्री छाया पी पांडे, सुश्री दृष्टि के माली और श्री अमेय के काम्बले, मुंबई विश्वविद्यालय से सांख्यिकी विभाग के एम.एस.सी भाग-II के छात्रों नें उनके पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में शोध प्रबंध के लिए सांख्यिकी सूचना एकत्रित करने हेतु 14.08.2018 को भा.मा.स. मुख्यालय, मुंबई का दौरा किया। कार्यालय ने परियोजना कार्य से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की और संस्थागत गतिविधियों के बारे में जानकारी दी ।
- श्री वी श्रीलाल राज, आंध्र विश्वविद्यालय ने दो सहयोगियों के साथ 19.08.2018 को पोत एम.एफ.वी. मत्स्य शिकारी पर यात्रा की और स्केल मॉडलिंग (प्रतिकृति बनाना) के लिए पोत की विभिन्न जानकारी एकत्रित की ।
- श्री तरुण श्रीधर, आई.ए.एस., सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग, नई दिल्ली ने 08.09.2018 को मुरगांव बेस का दौरा किया ।
- सरकारी वोकेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल, कडमाकुडी, पेरूम्बलमा और नजारक्कल से 30 छात्रों के एक बैच ने उनके फील्ड यात्रा के हिस्से के रूप मे क्रमश: 06.09.2019,13.09.2019 और 27.09.2019 को सर्वेक्षण जहाज मत्स्य वर्षिनी की यात्रा की ।

V. राजभाषा कार्यान्वयन:-

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक:

- डॉ. एल. रामालिंगम, उपमहानिदेशक (मा.)/महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 22.09.2018 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुंबई में संपन्न हुई। अध्यक्ष महोदय, ने सभी अनुभागों की हिंदी की प्रगति की समीक्षा की और कमियाँ बताई गई और उसे सुधारने हेतु सुझाव दिए ।
- राजभाषा कार्यान्वयन और हिंदी के प्रगामी प्रयोग पर निरीक्षण 11.07.2018 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) में श्री मुस्तफा हुसैन, सहायक निदेशक (रा.भा.) और युसुफ खान, निजी सहायक, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया गया।
- राजभाषा कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, कोचिन बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 29.09.2018 को संपन्न हुई ।
- चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 03.08.2018 को संपन्न हुई ।
- विशाखापट्टनम बेस की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 28.07.2018 को हुई । डॉ रीटा त्रिवेदी, प्रभारी अधिकारी, हिंदी शिक्षण योजना, विशाखापट्टनम समीक्षा अधिकारी थीं ।
- पोर्टब्लेयर बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 11 सितंबर 2018 को पोर्टब्लेयर में संपन्न हुई।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुम्बई ने 14 सितंबर 2018 को “हिंदी दिवस” एवं 14-28 सितम्बर 2018 तक “हिंदी पखवाडा” का आयोजन किया। डॉ एल रामलिंगम,उप महानिदेशक (मा)/ महानिदेशक (प्रभारी) ने परंपरागत व्दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। श्री महेश कुमार फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी) ने हिंदी दिवस के अवसर पर मनानीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह से प्राप्त अपील को पढा। श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव,क.अनुवादक ने हिंदी पखवाडे के दौरान अयोजित की जाने वाले प्रतियोगिताओं के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी और सभी कर्मचारी सदस्यों से अधिक से अधिक सरकारी काम मूल रुप से हिंदी में करने के लिए अनुरोध किया। हिंदी पखवाडे के दौरान पॉच प्रतियोगिताएं 1.हिंदी निबंध लेखन 2.हिंदी टिप्पणी एवं प्रारुपण 3.राजभाषा पर सामान्य ज्ञान 4.अंताक्षरी 5. हिंदी कविता पाठ आयोजित की गई।लगभग बीस कर्मचारीयों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ एल रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा)/ महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा की गई। श्री आर जे सिंह, उप महा प्रबंधक, बेस्ट,कुलाबा,मुम्बई मुख्य अतिथि रहे। श्री नीलाबर कुमार, लेखा अधिकारी, पीसीडीए,मुम्बई हिंदी कविता पाठ के लिए विशिष्ठ अतिथि थे। श्री महेश कुमार फरेजिया ने संध की राजभाषा नीति को उन्नत एवं कार्यान्वित करने के लिए संस्थान द्वारा की जा रही गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। समारोह के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया।

मुम्बई बेस ने 14 सितम्बर 2018 को “हिंदी दिवस” मनाया और 14-28 सितम्बर तक “हिंदी पखवाडा” का आयोजन किया। हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा का उद्घाटन समारोह 14 सितम्बर 2018 को श्री बी बालानायक, सेवा अभियता (यंत्रिक) की अध्यक्षता में मुम्बई बेस कार्यालय में सपन्न हुई। पखवाडे के दौरान कुल पॉच प्रतियोगिताए आयोजित की गई और हिंदी पखवाडे के समापन समारोह के दौरान विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुरगांव बेस ने 14-28 सितम्बर 2018 तक “हिंदी पखवाडा” मनाया। हिंदी पखवाडा का उद्घाटन डॉ वगेश पांडे, प्रभारी, केंद्रीय एकीकृत कीटनाशक प्रबंधन केंद्र, मुरगांव हारबर, गोवा द्वारा किया गया। कप्तान मनोज जोशी, डी सी, एम पी टी, गोवा

समापन समारोह पर मुख्य अतिथि रहे और पखवाडे के दौरान अयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

कोचिन बेस ने 14-28 सितम्बर 2018 तक “हिंदी पखवाडा” आयोजित किया गया। श्री प्रेमचंद, हिंदी अधिकारी, सी एम एल आर ई समापन समारोह के लिए मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने इस अवसर पर हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरित किए।

चेन्नई बेस में हिंदी पखवाडा 1-14 सितम्बर 2018 तक आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह 3 सितम्बर 2018 को सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। श्री कोमल सिंह, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, चेन्नई द्वारा समारोह का उद्घाटन किया गया। उन्होंने दैनंदिन सरकारी कार्य में हिंदी के महत्व के बारे में बताया और बेस के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों से यथा संभव हिंदी में सरकारी कार्य करने हेतु पहल करने हेतु अनुरोध किया। हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें बेस के कर्मचारी सदस्यों ने सक्रिय रुप से भाग लिया। समापन समारोह 14 सितम्बर 2018 को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिताओं में सक्रिय रुप से भाग लिए गए विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

विशाखपट्टणम बेस कार्यालय ने 3 – 17 सितंबर 2018 तक हिंदी पखवाडा का आयोजन किया। पखवाडे के दौरान हिंदी में विविध प्रतियोगिताए जैसे कि प्रश्न मंच, अनुलिपिकरण, टिप्पणी लेखन एवं प्रारुपण कर्मचारी सदस्यों के बीच आयोजित की गई। कर्मचारी सदस्यों के बच्चों के लिए कविता पाठ एवं कहानी लेखन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समापन समारोह 17.09,2018 को आयोजित किया गया। जिसमें बेस के कर्मचारियों के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्रीमती पी सूर्यकला, हिंदी अधिकारी,विशाखपट्टणम इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेतओं के लिए मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए।

पोर्ट ब्लेयर बेस ने हिंदी पखवाडा 14-28 सितम्बर 2018 तक मनाया। उद्घाटन दिवस पर सुश्री बनिता बोरा, सहायक कीपर और हिंदी अधिकारी, भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर मुख्य अतिथि रही। 14 सितबर2018 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बेस के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। हिंदी पखवाडा का समापन समारोह 28 सितंबर 2018 को हुआ जिसमें श्री राजेन्द्र

इंदवर, उप सचिव (हिंदी) और श्री आनंद राज, हिंदी प्रशिक्षक, अंडमान एवं निकोबार, प्रशासन क्रमशः मुख्य अतिथि एव विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि ने पखवाडे के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगियाओं के विजेतओं को पुरस्कृत किया ।

कार्यशालाः

- सरकारी कार्य में हिंदी का उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 20 अगस्त 2018 को भा.मा.स, मुख्यालय, मुंबई में आयोजित की गई। श्री नरेश कुमार, प्रभारी अधिकारी, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवीं मुम्बई को "मानक देवनागरी लिपि, हिंदी वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों" पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था। सभी अधिकारीयों एवं कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

- मुम्बई बेस द्वारा 27.09.2018 को हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री शैलेश आर., वेतन एवं लेखा अधिकारी, वेतन एवं लेखा कार्यालय,पशुपालन डेयरी एवं मत्स्यपालन, मुम्बई वक्ता थे । कार्याशाला का विषय़ "प्रशासनिक पत्राचार – टिप्पणी एवं प्रारुपण" था। कार्यशाला में बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।
- बेस के अधिकारिय़ों एवं कर्मचारी सदस्यों के लाभार्थ विविध पहलुओं में हिंदी का कार्यान्वयन पर मुरगांव बेस द्वारा 29.09.2018 को हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । डॉ अमरीश सिन्हा, हिंदी अधिकारी, न्यु इंडिया इनसूरन्स कंपनी, मुम्बई इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रहे।
- कोचिन बेस की हिंदी कार्यशाला 29.09.2018 को आयोजित की गई। 15 कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में भाग लिया। श्रीमती लीना टी.पी, क.अनुवादक विषय विशेषज्ञ रही।
- विशाखपट्टणम बेस नें 12.09.2018 को हिंदी कार्याशाला आयोजित की । डॉ हेमलता राव, सेवानिवृत्त हिंदी अधिकारी, विशाखपट्टणम पोर्ट ट्रस्ट, इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रही। उन्होने राजभाषा के रुप में हिंदी के विविध पहलुओं और सरकारी काम में हिंदी का दैनंदिन उपयोग पर विचार विमर्श किया।
- पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 25.09.2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें श्री शाहनवाज, क.अनुवादक और श्री एन वरधन, आशुलिपिक ग्रेड -1 भा.मा.स का पोर्ट ब्लेयर बेस विषय विशेषज्ञ रहे। श्री एन वरधन ने अपने व्याख्यान में सरकारी कार्यालय के विभिन्न विषयों पर कार्यचालन सिद्धांतों के बारे में वर्णन किया । हालांकि श्री शाहनवाज ने अपने व्याख्यान में हिंदी भाषा के इतिहास पर व्याख्यान दिया और राजभाषा अधिनियम 1976 से संबंधित विभिन्न नियमों का उल्लेख किया और राजभाषा कार्यान्वयन के महत्व के बारे में चर्चा की।
- भा.मा.स का पोर्ट ब्लेयर बेस को वर्ष 2017 –18 के लिए पोर्ट ब्लेयर में स्थित केद्र सरकारी कार्यालयों के बीच राजभाषा कार्यान्वयन के लिए दूसरा पुरस्कार के रुप में एक ट्रोफी और एक प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया गया। पुरस्कार वार्षिक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 13 जुलाई 2018 को सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में हुई बैठक में प्रदान किया गया ।

VI. बैठकों/सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी) की भागीदारी

- समुद्रा उपयोगकर्ता की बैठक (भा.मा.स और एस ए सी के बीच सहयोगी परियोजना) 10.07.2018 को अंतरिक्ष उपयोग केद्र, अहमदाबाद.
- आई यू यू मत्स्यन के बारे में तमिलनाडु के तुथूर प्रांत के मछुआरों के लिए संवेदीकरण कार्यशाला के प्रस्ताव के संबंध में 16.07.2018 को महानिदेशक (प्रभारी) का मात्स्यिकी आयुक्त और मात्स्यिकी के संयुक्त निदेशक (समुद्री), तमिलनाडु सरकार, चेन्नई के साथ चर्चा।
- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनःवैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की तीसरी बैठक 17.7.2018 को बी ओ बी पी, चेन्नई में ।
- केंद्रीय अनुमोदन और मॉनिटरिंग समिति (सी ए एम सी) की प्रथम बैठक 18.07.2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में ।
- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनवैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक 30-31 जुलाई 2018 को चेन्नई बेस में।
- केन्द्रीय अनुमोदन और मॉनिटरिंग समिति (सी.ए.एम.सी.) की दूसरी बैठक 03.08.2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में ।
- डॉ. के विजयकुमारन, पूर्व महानिदेशक/ सह चयनित सदस्य के साथ भा.मा.स. का चेन्नई बेस में 9-11 आगस्त 2018 को पुनवैधीकरण रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने के लिए भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनवैधीकरण की भा.मा.स./ सी.एम.एफ. आर आई. की उप समूह रिपोर्ट पर चर्चा करने और अंतिम रूप देने हेतु ।
- केंद्रीय अनुमोदन और मॉनिटरिंग समिति (सी ए एस सी) की तीसरी बैठक 20.08.2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में ।
- रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने के लिए डॉ. के विजयकुमारन, प्रधान वैज्ञानिक, सी एम एफ आर आई, चेन्नई और सहयोगी सदस्य की उपस्थिति में भारतीय

अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए अंतिम मसौदा रिपोर्ट 27-28 अगस्त 2018 के दौरान भा मा स का चेन्नई बेस, चेन्नई में।

- मौजूदा कानून और वैश्विक सम्मेलन पर मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रुप देने हेतु डॉ. वाई एस यादव, निदेशक, बी ओ बी पी-आई जी ओ के साथ चर्चा-चेन्नई में ।
- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की अंतिम बैठक 07.09.2018 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस चेन्नई में ।
- मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रुप देने और मंत्रालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु डॉ. वाई एस यादव, निदेशक, बी ओ बी पी-आई जी ओ और डॉ. ई विवेकानंदन, राष्ट्रीय परामर्शक, बी ओ बी पी- आई जी ओ चेन्नई में 22.09.2018 और 23.09.2018 को चर्चा।
- केन्द्रीय अनुमोदन एवं मॉनिटरिंग समिति (सी ए एम सी)की पाँचवी बैठक और मंत्रालय को अंतिम मसौदा पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के संबंध में 27.09.2018 को प्रस्तुत करने हेतु कृषि भवन, नई दिल्ली में ।

VII. प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारी:-

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री प्रत्युष दास, क.मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक के साथ 04.07.2018को जंगलीघाट में आधुनिक मछली बाजार के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री एम. वेंकैया नायडु, माननीय भारत के उप राष्ट्रपति के साथ द्वीप के किसानों और आई सी ए आर- सी आई ए आर आई वैज्ञानिकों पर पारस्परिक सत्र में 05.07.2018 को सी आई ए आर आई, पोर्टब्लेयर में भाग लिया ।
- डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने महानिदेशक (प्रभारी) के साथ 10.07.2018 को अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (एस ए सी), अहमदाबाद में समुद्रा उपयोगकर्ता की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिकने सी एम एल आर ई के लिए अनुसंधान सहयोगी और युवा व्यवसायी -7 के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य के रुप में 17.07.2018 को सी एम एफ आर आई में भाग लिया ।
- श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, कोचिन बेस ने क्रमशः 17 एवं 30-31 जुलाई 2018 के दौरान चेन्नई में संपन्न भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए तीसरी और चौथी बैठक में भाग लिया।
- श्री ए टिबुरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. जे सी दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक ने 18.07.2018 को सहायक निदेशक (समुद्री मात्स्यिकी) के कार्यालय, कासीमेडु, चेन्नई में स्थित मछुआरा सूचना केंद्र में चेन्नई के समुद्री मात्स्यिकी हितधारकों की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने संयुक्त सचिव (मा) की अध्यक्षता में 20.07.2018 को कृषि भवन, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में ई ई जेड और महासागर में भारतीय जलयानों के मत्स्यन परिचालन के लिए दिशानिर्देशों का सुझाव देने के लिए समिति की पाँचवी बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. ए जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री डी भामी रेड्डी, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सिफनेट, चेन्नई के वी एन सी और एम एफ सी प्रशिक्षार्थियों के लिए 26 एवं 27 जुलाई 2018 को दूसरे सेमेस्टर की ट्रेड व्यावहारिक संचालित करने हेतु बाहरी परीक्षक के रुप में सेवा की ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने बी ओ बीपी-आई जी ओ, चेन्नई में 30-31 जुलाई 2018 के दौरान भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की चौथी बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. जे सी दास, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री वाय थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक ने बी ओ बी पी-आई जी ओ और एन आई ओ टी, चेन्नई द्वारा 10.08.2018 को होटल क्राऊन प्लाजा, चेन्नई में स्थायी मत्स्यन (टी आई एस एफ) के लिए दूसरे टेकसर्ज प्रौद्योगिकी और नवाचार में भाग लिया ।
- डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री सी बाबु, व.वैज्ञानिक सहायक ने मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार और तमिलनाडु कौशल विकास कॉर्पोरेशन द्वारा 10.08.2018 को मात्स्यिकी निदेशालय, नंदनम, चेन्नई में संयुक्त रुप से आयोजित बैठक में भाग लिया और मछुआरों के हित के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम पर चर्चा की ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 7-10,15-16 और 27-28 अगस्त 2018 की अवधि के लिए चेन्नई में भा मा स का चेन्नई बेस में मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. देवानंद इ. उइके, व.वैज्ञानिक सहायक, श्री प्रत्युष दास, जे एफ जी टी और श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक ने 30.08.2018 को भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष, हड्डो में हरित कौशल विकास कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता, डॉ. देवानंद ई उइके, व.वैज्ञानिक सहायक, श्री प्रत्युष दास, जे एप जी टी, और श्री शाहनवाज़, क. अनुवादक ने 04.09.2018 को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष में हिंदी सप्ताह का उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- डॉ. नशद एम, व.वैज्ञानिक सहायक ने 06.09.2018 को सचिवालय, पोर्टब्लेयर के सम्मेलन कक्ष में अंडमान एवं निकोबार द्वीप के लिए मात्स्यिकी विकास योजना पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. ए जॉन चेम्बियन, क.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 6 सितंबर 2018 को सम्मेलन हॉल,मात्स्यिकी निदेशालय, चेन्नई में नए टूना लॉग लाइनर सह गिल जाल की खरीद के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी सहायता पर स्कीम के अंतर्गत 14वीं राज्य स्तर तकनीकी समिति और राज्य स्तर प्रशासनिक समिति की बैठक में भाग लिया।
- डॉ. नशद एम, व.वैज्ञानिक सहायक ने 07.09.2018 को "अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बैकचुरन केकड़ो का वितरण और व्यवस्था" विषय पर भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के सम्मेलन हॉल में श्री एस कुमारलिंगम की पी एच डी की मौखिक परीक्षा में भाग लिया ।

- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 11.09.2018 को सचिव (मात्स्यिकी) अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के कक्ष में राज्य स्तर अनुमोदन एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक में सदस्य के रुप में सेवा की ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व.मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 21-23 सितंबर 2018 की अवधि के दौरान सी एम एफ आर आई और बी ओ बी पी-आई जी ओ, चेन्नई में मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया ।
- श्री ओ टी मनोज कुमार, सेवा अभियंता (यांत्रिक) ने एम्पीडा, कोचिन में 25.09.2018 को मत्स्यन पोतों में दूर संचार उपकरणों के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी वं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट) विशाखापट्टणम में 27 और 28 सितंबर 2018 के दौरान "उन्नत मत्स्यन प्रौद्यौगिकी" (ए एफ टी सी सी) पाठ्यक्रम व्यावहारिक एवं मौखिक परीक्षा संचालित करने हेतु बाहरी परीक्षक के रुप में सेवा की ।

VIII. प्रशासनिक समाचार:-

स्थानांतरण:-

- श्री स्वप्रिल एस शिर्के, व.वैज्ञानिक सहायक को पोर्टब्लेयर बेस के मुंबई बेस में 6.08.2018 को स्थानांतरित किया गया और 09.08.2019को कार्यभार ग्रहण किया गया।
- डॉ. देवानंद उइके, व.वैज्ञानिक सहायक को भा मा स का मुंबई बेस से भा मा स के पोर्टब्लेयर बेस में 09.08.2018 को स्थानांतरित किया गया और 24.08.2018 को कार्यभार ग्रहण किया।
- सुश्री रोशन मारिया पीटर, व.वैज्ञानिक सहायक को भा मा स का मुंबई बेस से भा मा स का चेन्नई बेस में 27.08.2018 को स्थानांतरित किया गया और 03.09.2018 को कार्यभार ग्रहण किया गया ।
- डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व.वैज्ञानिक सहायक को भा मा स का चेन्नई बेस से भा मा स का मुंबई बेस में 03.09.2018 को स्थानांतरित किया गया और 10.09.2018 को कार्यभार ग्रहण किया गया ।

सेवानिवृत्तियां:-

- श्री रोहिदास वाइ सुरंजे,बोसन(सी) और श्री सुजित पी., बोसन (सी) मुरगांव बेस की सीमा शुल्क विभाग में उनके चयन पर 10.08.2018 को कार्यमुक्त किया गया (तकनीकी इस्तिफा)
- श्री के. प्रतापन, मुख्य अभियंता ग्रेड- II चेन्नई बेस से 01.08.2018 पूर्वाह्न को स्वैच्छिक रुप से सेवानिवृत हुए ।
- श्री के राघवन, बोसन (आई) मुंबई बेस को तकनीकी इस्तिफा पर 18.08.2018 को कार्यमुक्त किया गया।
- श्री पी किट्टयया, चौकीदार, भा मा स का विशाखापट्टणम बेस 31.08.2018 को अपनी अधिवर्षिता पर सेवा से सेवानिवृत हुए ।
- श्री के एन स्वामी, प्रवर श्रेणी लिपिक, भा मा स का विशाखापट्टणम बेस 29.09.2018 को अपनी अधिवर्षिता पर सेवा से सेवानिवृत्त हुए।
- श्री पी आर राकेश, व.डेकहेंड, विशाखापट्टणम बेस के तकनीकी इस्तिफा पर 22.08.2018 को कार्यमुक्त किया गया।

पी.एच.डी. उपाधि

श्री एम. के. फरेजिया, निदेशक (अभियांत्रिकी) भा.मा.सा. (मुख्यालय) मुम्बई को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे द्वारा भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में तटीय एवं महासागरीय पर्यावरण की चुनिंदा मछलियों में विषाक्त भारी धातुओं शीर्षक पर अपने शोध प्रबंध के लिए सितंबर, 2018 के दौरान पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी केंद्र में पी.एच.डी. की उपाधि से सम्मानित किया गया । उन्होंने प्रोफेसर ए. के. दीक्षित, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र के देख-रेख में काम किया ।

सुश्री राजश्री बी. सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स. (मुख्यालय) मुम्बई को "आटोलिथस कुवियेरी, ट्रेवावस 1974 के जीव विज्ञान पर अध्ययन के साथ भारत के उत्तर पश्चिम तट से दूर क्रोकर्स, सायनिडे परिवार की प्रचुरता, विविधता, वितरण " शीर्षक पर उनके शोध प्रबंध के लिए मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा सितंबर, 2018 को प्राणी विज्ञान में पी.एच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया । उन्होंने डॉ. ए.के. भार्गव, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, भा.मा.स. का मुम्बई बेस, मुंबई के मार्गदर्शन में काम किया ।

स्वच्छता पखवाड़ा:-

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय एवं भा मा स के सभी बेस कार्यालयों द्वारा 15.08.2018 से 02.10.2018 तक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय भवन और इसके परिसर, जाल मरम्मत अनुभाग की सफाई, पौधों को उखाड़ना और जलमग्न क्षेत्र, सब्जी/फल बाजार, मछली बाजार,फिशिंग हार्बर की सफाई में शामिल थे। बेस के सदस्यों न भी "स्वच्छता ही सेवा" कार्यक्रम के संबंध में स्थानीय लोगों के बीच जागरुकता लाने हेतु एक कार्यशाला और रैली का भी आयोजन किया ।

संकलनकर्ता : श्री. ए. शिवा, डॉ. राजश्री बी. सनदी और श्री राहुलकुमार बी. टेलर **संपादक** डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला और डॉ. अंशुमान दास

हिन्दी अनुवाद : श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव

प्रकाशक : डॉ. एल. रामालिंगम, महानिदेशक (प्रभारी)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग

न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई - 400 005,

दूरभाषा 022 - 2218 8235/66 **फैक्स** 022-22188221; **वेबसाईट**: http:/fsi.gov.in; **ई-मेल**: dg-fsi-mah@nic.in